



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

06 वैशाख 1944 (श0)
(सं0 पटना 244) पटना, मंगलवार, 26 अप्रील 2022

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

19 अप्रील 2022

सं० 10/व1-28/2016 न्यू (अंश)/397—बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 1981 (बिहार अधिनियम संख्या 32, 1982) की धारा 26 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, जो निम्न है—

1. संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारंभ ।

- (1) इन नियमों को “बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड नियमावली 2022” कही जायेगी।
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा।
- (3) यह आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में लागू होगा।

2. परिभाषाएँ— इन नियमों में, जब तक कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो

- (i) ‘सरकार’ से अभिप्रेत है, बिहार सरकार;
- (ii) ‘विभाग’ से अभिप्रेत है, शिक्षा विभाग;
- (iii) ‘अधिनियम’ से अभिप्रेत है, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 1981;
- (iv) ‘निदेशक (प्राच्य)’ से अभिप्रेत है, विशेष निदेशक, माध्यमिक शिक्षा प्रभारी संस्कृत एवं मदरसा;
- (v) ‘बोर्ड’ से अभिप्रेत है, बिहार राज्य मदरसा बोर्ड अधिनियम, 1981 की धारा-3 के तहत गठित बोर्ड;
- (vi) ‘अध्यक्ष’ से अभिप्रेत है, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष;
- (vii) ‘सचिव’ से अभिप्रेत है, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के सचिव;
- (viii) ‘प्रबंध समिति’ से अभिप्रेत है, गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त अनुदानित मदरसा (मौलवी स्तर तक) का प्रबंध समिति जो प्रबंध समिति गठन नियमावली 2022 के तहत गठित की गई हो;
- (ix) ‘सम्बद्ध मदरसा’ से अभिप्रेत है मदरसा जो बोर्ड अधिनियम तथा इसके अधीन बनी नियमावली एवं विनियमावली के प्रावधान के अनुसार मौलवी स्तर तक के लिए सम्बद्धता प्राप्त हो;
- (x) ‘सम्बद्धता कमिटी’ से अभिप्रेत है अधिनियम की धारा- 7 के अधीन गठित सम्बद्धता कमिटी;

- (xi) 'नियुक्ति प्राधिकार' से अभिप्रेत है कार्यालय परिचारी स्तर से ऊपर के बोर्ड द्वारा नियुक्त सभी कर्मियों के संबंध में अध्यक्ष और कार्यालय परिचारी स्तर के कर्मियों के संबंध में सचिव;
- (xii) 'अपीलीय प्राधिकार' से अभिप्रेत है कार्यालय परिचारी स्तर से ऊपर के बोर्ड द्वारा नियुक्त सभी कर्मियों के संबंध में बोर्ड तथा कार्यालय परिचारी स्तर के कर्मियों के संबंध में अध्यक्ष;
- (xiii) 'परिशिष्ट' से अभिप्रेत है इस नियमावली में संलग्न परिशिष्ट;
- (xiv) 'विहित' से अभिप्रेत है अधिनियम 1981 के अधीन बोर्ड द्वारा विरचित नियमावली एवं विनियमावली द्वारा विहित;
- (xv) 'विनियमावली' से अभिप्रेत है इस अधिनियम के अधीन बोर्ड द्वारा विरचित विनियमावली;
- (xvi) 'नियम' से अभिप्रेत है कि इस अधिनियम के अधीन विभाग द्वारा विरचित नियम;
- (xvii) 'मदरसा' से अभिप्रेत है, शिक्षा विभाग बिहार सरकार से गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त अनुदानित मदरसा (मौलवी स्तर तक)।

3. **बोर्ड की शक्तियाँ एवं कृत्य।**— अधिनियम, 1981 की धारा-7 के अंतर्गत और समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा दिशा निर्देश के अधीन रहते हुए बोर्ड की शक्तियाँ एवं कृत्य निम्नलिखित हैं:—

- (1) बोर्ड, इस अधिनियम के अधीन आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएँ करेगी।
- (2) बोर्ड—
 - (क) बोर्ड से सम्बद्ध मदरसों के साथ सम्यक रूप से पंजीकृत छात्रों की परीक्षाओं का संचालन करेगी;
 - (ख) ऐसे अन्य परीक्षाओं का संचालन करेगी, जैसा कि विभाग अथवा बोर्ड समय-समय पर निदेशित करेगी;
 - (ग) बोर्ड संचालित परीक्षाओं के परिणाम प्रकाशित करेगी और ऐसी परीक्षाओं के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति प्रदान करेगी;
 - (घ) मदरसा मौलवी स्तर तक का सम्बद्धता प्रदान करेगी;
 - (ङ) बोर्ड के साथ सम्बद्ध मदरसों को विनियमित करेगी;
 - (च) मदरसों जिन्हें बोर्ड द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गयी है, की सम्बद्धता को निलंबित या रद्द करने की शक्ति बोर्ड को होगी;
 - (छ) परीक्षाओं के संचालन, परिणामों का प्रकाशन और सर्टिफिकेट एवं अंक-पत्र प्रदान करने के लिए विहित प्रक्रिया निर्धारित करेगी;
 - (ज) बोर्ड के सम्बद्ध मदरसों में छात्रों के प्रवेश और ऐसे छात्रों को बोर्ड द्वारा संचालित की जानेवाली परीक्षाओं में शामिल होने के लिए अनुमति हेतु शर्तों का निर्धारण करेगी;
 - (झ) बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षाओं में अनुचित तरीकों के इस्तेमाल में लिप्त छात्र/छात्राओं को मदरसों द्वारा निष्कासित किया जा सकेगा;
 - (ञ) ऐसी फीस माँगेगी एवं प्राप्त करेगी जैसा बोर्ड द्वारा विहित किया जाय
 - (ट) पाठ्यक्रम संबंधी एवं पाठ्येतर क्रियाकलापों को प्रोत्साहित एवं सम्प्रवर्तित करेगी;
 - (ठ) छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अन्य ऐसे व्यक्तियों जिन्हें बोर्ड आवश्यक समझे, के ज्ञान एवं जागरूकता में सुधार करने का प्रयास करेगी;
 - (ड) मदरसों को उनके संरचनात्मक सुधार के लिए अथवा बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित करेगी;
 - (ढ) अभ्यर्थियों की उपलब्धियों के निर्धारण की उन्नत रीतियों का ईजाद करेगी एवं ऐसी रीतियों का प्रयोग करेगी;
 - (ण) मदरसों के निरीक्षण की व्यवस्था कर सकेगी
 - (त) ऐसे अन्य कर्तव्यों का निर्वहन करेगी, जो विहित किये जायें;
 - (थ) अधिनियम के अधीन सौंपे गये कार्यों एवं कर्तव्यों के निर्वहन हेतु, कमिटियों का गठन एवं नियुक्ति कर सकेगी;
 - (द) बोर्ड अपने अधीन या क्षेत्रीय कार्यालयों के सम्पूर्ण तरह के पदों का सृजन सरकार के पूर्वानुमोदन के उपरान्त ही कर सकेगी;
 - (ध) ऐसे अन्य अस्थायी पदों का सृजन अधिकतम एक वर्ष के लिए कर सकेगी, जैसा कि अधिनियम के अधीन सौंपे गए कार्यों एवं कर्तव्यों के निर्वहन हेतु आवश्यक समझा जाय और ऐसे पदों के विरुद्ध तदर्थ आधार पर एक वर्ष के लिए व्यक्तियों का नियोजन कर सकेगी, जिसके लिए सरकार की पूर्वानुमति आवश्यक होगी,
 - (न) मदरसा बोर्ड एवं इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए अनुसूचीवीय कर्मियों की नियुक्ति हेतु, इस नियमावली में अंकित नियम-15 एवं 16 में वर्णित प्रक्रिया के आधार पर करने हेतु सक्षम होगी।

(प) अपने क्षेत्राधीन मदरसा मौलवी स्तर (+2) तक में ऑनलाइन नामांकन लेने की शक्ति होगी।

(3) बोर्ड को ऐसी वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियाँ होंगी, जैसा कि परिशिष्ट-1 में विनिर्दिष्ट है।

4. बोर्ड के पदाधिकारी।-बोर्ड के निम्नलिखित पदाधिकारी होंगे यथा-

- (i) अध्यक्ष,
- (ii) सचिव,
- (iii) वित्त पदाधिकारी,
- (iv) परीक्षा नियंत्रक,
- (v) उप परीक्षा नियंत्रक,
- (vi) लेखा पदाधिकारी,
- (vii) सहायक सचिव,
- (viii) शिक्षा विभाग, बिहार, पटना के अनुमोदनोपरांत बोर्ड उपरोक्त सूची को समय-समय पर संशोधित कर सकता है।
- (ix) ऐसे अन्य पदाधिकारी जो इस अधिनियम के अधीन बनी नियमावली द्वारा यथाविहित, समय-समय पर शिक्षा विभाग की सहमति से बोर्ड द्वारा निर्णित किये जायें।

5. अध्यक्ष की नियुक्ति।-(1) इस नियमावली के उपबंधों के अधीन अध्यक्ष सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा और कार्यभार ग्रहण की तिथि से वह तीन वर्षों से अनधिक कालावधि राज्य सरकार के प्रसाद पर्यन्त तक पद धारण करेगा। उक्त कालावधि की समाप्ति पर तीन वर्षों के अनधिक कालावधि के लिए उसकी पुनर्नियुक्ति हो सकेगी, किन्तु दो पदावधियों से अधिक के लिए नियुक्ति का पात्र नहीं होगा। अध्यक्ष अपने पद पर 3 (तीन) वर्ष या 70 (सत्तर) वर्ष जो पहले हो, पर अवकाश प्राप्त करेंगे।

(2) अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किये जाने हेतु कोई व्यक्ति तबतक योग्य नहीं समझा जायेगा जबतक कि वह केन्द्रीय या राज्य सरकार के अधीन पर्याप्त प्रशासनिक अनुभव न रखता हो अथवा वह स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षा प्रदान करने वाली शैक्षणिक संस्था में न्यूनतम दस वर्षों का शिक्षण अथवा शोध का अनुभव न रखता हो अथवा जो अरबी, फारसी, इस्लामिक अध्ययन में ख्याति प्राप्त विद्वान न हो और मदरसा शिक्षा में अभिरुचि न रखता हो।

6. अध्यक्ष का हटाया जाना।-(1) यदि किसी समय और ऐसी जाँच करने के पश्चात् जो आवश्यक समझी जाय, और राज्य सरकार को प्रतीत हो कि अध्यक्ष-

- (क) अधिनियम अथवा नियमावली के अधीन किसी कर्तव्य के पालन में असफल रहा है, या
- (ख) ऐसी रीति से कार्य किया हो जो बोर्ड के हित के प्रतिकूल हो, या
- (ग) कदाचार के लिए दोषी है, तो राज्य सरकार, इस बात के होते हुए भी कि अध्यक्ष की पदावधि समाप्त नहीं हुई है, अध्यक्ष को एक माह की लिखित नोटिस देकर अथवा एक माह का वेतन देकर अधिसूचना में विनिर्दिष्ट तारीख से अपने पद से हटा सकेगी।

(2) उप-धारा (1) के अधीन पारित किए गए आदेश में विनिर्दिष्ट तारीख से ऐसा समझा जाएगा कि अध्यक्ष ने अपने पद की त्याग कर दिया और अध्यक्ष का पद रिक्त समझा जाएगा।

7. अध्यक्ष की अस्थायी अनुपस्थिति के दौरान कार्य व्यवस्था।-छुट्टी, बीमारी या किसी अन्य कारणों से अध्यक्ष को अस्थायी अनुपस्थिति के दौरान शिक्षा निदेशक (प्राच्य शिक्षा के प्रभारी) के लिए अध्यक्ष की ऐसी सभी शक्तियों का प्रयोग और उनको ऐसे कर्तव्यों का पालन करना विधिपूर्ण होगा, जो राज्य सरकार द्वारा प्रत्यायोजित किये जाए।

8. अध्यक्ष की शक्तियाँ एवं कर्तव्य।-इस अधिनियम की धारा 13 के अन्तर्गत और समय-समय पर राज्य सरकार के द्वारा दिशानिर्देश के अधीन रहते हुए अध्यक्ष की शक्तियाँ एवं कर्तव्य निम्नलिखित हैं:-

- (1) अध्यक्ष को तीन माह में कम से कम एक बार बोर्ड की बैठक बुलाने की अनिवार्यता होगी और वह बोर्ड की बैठकों की अध्यक्षता करेगा।
- (2) बोर्ड के प्रशासनिक कामकाज से उद्भूत किसी आकस्मिकता, जिसमें अध्यक्ष की राय में तुरंत कार्रवाई किया जाना अपेक्षित हो की स्थिति में अध्यक्ष ऐसी कार्रवाई करेगा जैसा कि वह आवश्यक समझे और तत्पश्चात स्वयं द्वारा कृत कार्रवाई का प्रतिवेदन बोर्ड को उसकी अगली बैठक में देंगे।
- (3) वह कार्यालय परिचारी स्तर से ऊपर के सभी कर्मियों (बि.शि.से. के पदाधिकारियों या अन्य पदाधिकारी जिन्हें राज्य सरकार नियुक्त करें, को छोड़कर) का नियुक्ति प्राधिकार एवं अनुशासनिक प्राधिकार होगा।
- (4) अध्यक्ष की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियाँ ऐसी होंगी जैसा कि परिशिष्ट-1 में विनिर्दिष्ट है।
- (5) अध्यक्ष द्वारा ऐसे अन्य कर्तव्यों एवं दायित्वों का भी निर्वहन किया जायेगा जो समय-समय पर सरकार द्वारा निदेशित किया जाय।
- (6) सभी प्रकार की वित्तीय शक्तियों का प्रयोग बिहार वित्तीय नियमावली के प्रावधानों का पालन करते हुए किया जाएगा।

9. सचिव की नियुक्ति एवं हटाया जाना :-

- (1) सरकार बोर्ड के सचिव को ऐसी शर्तों एवं ऐसी अवधि के लिए नियुक्त करेगी जैसा कि सरकार द्वारा विहित की जाय।
- (2) सचिव के पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति बिहार शिक्षा सेवा के पदाधिकारी होंगे।
- (3) सरकार, अधिसूचना द्वारा, सचिव को किसी भी समय हटा सकेगी।

10. सचिव की शक्तियाँ एवं कर्तव्य :-

- (1) सचिव, बोर्ड के नियंत्रण के अधीन रहते हुए, बोर्ड का मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी होगा। वह वार्षिक प्राक्कलनों एवं लेखाओं का विवरण प्रस्तुत करने हेतु उत्तरदायी होगा।
- (2) सचिव यह देखने के लिए उत्तरदायी होगा कि सभी धन उन्हीं प्रयोजनों हेतु व्यय हो रहे हैं जिसके लिए वे स्वीकृत या आवंटित हुए हैं।
- (3) सचिव बोर्ड की बैठकों की कार्यवृत्त संधारित करने हेतु उत्तरदायी होगा।
- (4) सचिव कार्यालय परिचारी स्तर के कर्मियों का नियुक्ति एवं अनुशासनिक प्राधिकार होगा।
- (5) सचिव की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियाँ ऐसी होंगी जैसा कि परिशिष्ट-1 में विनिर्दिष्ट है।
- (6) सभी प्रकार की वित्तीय शक्तियों का प्रयोग बिहार वित्तीय नियमावली के प्रावधानों का पालन करते हुए किया जाएगा।
- (7) सचिव ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करेगा जैसा कि अधिनियम के अधीन विरचित नियमावली एवं विनियमावली द्वारा विहित की जाय।

11. बोर्ड के परीक्षा नियंत्रकों की शक्तियाँ एवं कर्तव्य—परीक्षा नियंत्रकों की निम्नलिखित शक्तियाँ एवं कर्तव्य होंगे, यथा —

- (क) परीक्षाओं के परिणामों को विचारित, मॉडरेट, अवधारित एवं प्रकाशित करना;
- (ख) संबंधित परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को प्रवेश देना और, किसी भी कारण से जो उसकी राय में परीक्षा पद्धति एवं अधिनियम के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो अभ्यर्थियों को ऐसी परीक्षा में उन्हें प्रस्तुत होने से निरहित करना।
- (ग) परीक्षा केन्द्रों एवं मूल्यांकन केन्द्रों का निर्धारण।
- (घ) परीक्षाओं के लिए पेपर सेटों, मॉडरेटों, परीक्षकों, परिगणकों, पर्यवेक्षकों एवं वीक्षकों के रूप में नियुक्ति के लिए उपयुक्त व्यक्तियों की सूची तैयार करना और ऐसी नियुक्तियाँ करना।
- (ङ) परीक्षाओं का संचालन, विज्ञप्तियों का प्रकाशन, परीक्षाफल की तैयारी एवं प्रकाशन।
- (च) जाँच से संबंधित मामलों एवं लम्बित परीक्षाफल का सुधार/प्रकाशन।
- (छ) ऐसे अन्य कार्य जो समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित की जायेगी।

12. सम्बद्धता की स्वीकृति एवं वापस करने की शक्तियाँ :-

- (1) इस अधिनियम की धारा-7 2(क) के अंतर्गत मदरसा की सम्बद्धता स्वीकृत करने की शक्ति बोर्ड को होगी तथा विभाग के अनुमोदन के पश्चात इस संबंध में विनियमावली बनाने की शक्ति भी बोर्ड को होगी।
- (2) इस अधिनियम की धारा-7 2(ख) के अंतर्गत वैसे मदरसा की सम्बद्धता वापस/रद्द/निलंबित करने की शक्ति बोर्ड को होगी, जिस प्रस्वीकृत मदरसों द्वारा प्रस्वीकृति के लिए निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं किया जायेगा या अन्य किसी प्रकार से छात्रों, बोर्ड अथवा सामान्य शिक्षा व्यवस्था के हित का पालन नहीं कर रहे हो। परन्तु साथ ही ऐसे मदरसों की प्रस्वीकृति वापस लेने/रद्द किये जाने के पूर्व, बोर्ड द्वारा सम्बद्ध मदरसा को सुनवाई का अवसर देगी, और मदरसा में नामांकित विद्यार्थी को उनके शैक्षणिक सत्र को पूरा करने तथा बोर्ड की आगामी परीक्षा में शामिल होने का अवसर प्रदान करेगी।
- (3) धारा-7 2(क) के अंतर्गत जब मदरसों की प्रस्वीकृति प्रदान की गई हो या बोर्ड द्वारा प्रस्वीकृति वापस/रद्द किये जाने का अंतिम निर्णय लिया जाने वाला हो बोर्ड के विवेकानुसार संस्थान को सकारण बताते हुए निलंबित किये जाने की शक्ति होगी। ऐसे संस्थानों की प्रस्वीकृति निलंबित किये जाने के पूर्व इनसे कारण पृच्छा प्राप्त करना आवश्यक नहीं होगा।

13. मदरसा की प्रस्वीकृति एवं मानक मंडल का निर्धारण—मदरसा की प्रस्वीकृति एवं मानक मंडल का निर्धारण शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संकल्प संख्या-1090 दिनांक 29 नवम्बर 1980 में निहित शर्तों के आलोक में किया जाएगा।

14. मदरसा को अनुदान की श्रेणी में लाने की प्रक्रिया—बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा निबंधित मदरसों की जाँच विभागीय संकल्प संख्या-1090 दिनांक 29.11.1980 में निहित शर्तों के आलोक में बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी से करायी जायेगी। संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी से प्राप्त अनुशंसा प्रतिवेदन को बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड अपने स्तर से सभी संलग्न कागजातों की गहन समीक्षापरांत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले मदरसों का फोल्डर अनुशंसा सहित शिक्षा विभाग को अनुदान की श्रेणी में लाने हेतु अनुशंसा करेगी। बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा प्राप्त मदरसों का फोल्डर को शिक्षा विभाग द्वारा विभागीय संकल्प संख्या-1090 दिनांक 29.11.1980 में निहित शर्तों के आलोक में निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले मदरसों को जाँचोपरान्त अनुदान की श्रेणी में लाने हेतु राज्य सरकार से अनुशंसा की जाएगी।

15. **बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड में वर्ग-3 के पद पर नियुक्ति**।—बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड में वर्ग-3 के पद पर राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत एवं सृजित पद के विरुद्ध सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत नियमों/परिपत्रों एवं अनुदेशों के अंतर्गत नियुक्ति की सारी प्रक्रियाओं का पूर्णतः पालन किया जायेगा तथा नियुक्ति करने हेतु प्रशासी विभाग अर्थात् शिक्षा विभाग, बिहार सरकार का पूर्वानुमोदन प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। यदि आवश्यक हुआ तो मदरसा बोर्ड वर्ग-3 के पद पर नियुक्ति करने हेतु बिहार राज्य कर्मचारी चयन आयोग से अनुरोध कर सकेगा। मदरसा बोर्ड अपने कर्मियों के सेवाशर्त एवं कार्यालय के संचालन हेतु विनियमावली तैयार करेगा जिसका अनुमोदन शिक्षा विभाग, बिहार सरकार से लिया जाना अपेक्षित होगा।

16. **बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड में वर्ग-4 के पद पर नियुक्ति**।—बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड वर्ग-4 के पद पर नियुक्ति हेतु सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत नियमों/परिपत्रों एवं अनुदेशों में निहित अहर्ता, शर्तों एवं प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए वाह्य श्रोतों (outsourcing) के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत एवं सृजित पदों के विरुद्ध किया जा सकेगा, जिसका पूर्वानुमोदन शिक्षा विभाग, बिहार सरकार से लिया जाना अपेक्षित होगा।

17. बोर्ड की निधि ।—

- (1) बोर्ड के लिए एक निधि स्थापित की जायेगी, जो बोर्ड में निहित होगी और इस अधिनियम के प्रयोजनों हेतु उसमें अंतर्विष्ट उपबंधों के अधीन होगी, जो बोर्ड की निधि के नाम से जानी जाएगी।
- (2) बोर्ड की निधि में जमा किये जायेंगे—
 - (क) सरकार द्वारा बिहार राज्य की संचित निधि से बोर्ड को आवंटित सभी रकम और इस अधिनियम तथा इसके अधीन बनायी गयी नियमावली एवं विनियमावली के उपबंधों को कार्यान्वित करने के प्रयोजनों से बोर्ड द्वारा उधार लिये गये सभी रकम;
 - (ख) इस अधिनियम तथा इसके अधीन बनायी गयी नियमावली एवं विनियमावली के किसी उपबंध के अधीन भुगतये एवं उद्ग्रहित सभी फीस सहित बोर्ड द्वारा या की ओर से प्राप्त सभी राशि; तथा
- (3) बोर्ड द्वारा प्राप्त सभी अन्य रकम जो पूर्ववर्ती खंडों में शामिल नहीं हैं।
- (4) बोर्ड की निधि के रूप में प्राप्त राशि किसी भी सूचीकृत वाणिज्यिक बैंक/बैंकों (भारतीय रिजर्व बैंकों द्वारा प्रस्वीकृति प्राप्त) में रखा जायेगा और बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के लेखा नाम के खाते में जमा किया जायेगा।

18. बोर्ड की निधि का उपयोग ।—बोर्ड की निधि निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए लागू होगी:—

- (क) इस अधिनियम तथा इसके अधीन बनायी गयी नियमावली एवं विनियमावली के प्रयोजनों हेतु बोर्ड द्वारा उपगत ऋण के प्रतिसंदाय में;
- (ख) बोर्ड के पदाधिकारियों एवं स्टाफ के वेतनों एवं भत्तों के भुगतान में;
- (ग) बोर्ड एवं विभिन्न कमिटियों के सदस्यों के यात्रा एवं अन्य भत्तों के भुगतान में
- (घ) परीक्षाओं के संचालन और इस अधिनियम तथा इसके अधीन बनायी गयी नियमावली एवं विनियमावली के अधीन बोर्ड को सौंपे गये कृत्यों के निर्वहन में उपगत व्ययों के भुगतान में ;
- (ङ) बोर्ड की निधि के अंकेक्षण लागत के भुगतान में ;
- (च) पुनरीक्षित पाठ्यक्रम को लागू करने एवं अन्य सुधारों हेतु मदरसों को समर्थ बनाने के लिए मदरसों के बीच अनुदान के रूप में वितरण के लिए अनुदान के भुगतान में;
- (छ) बोर्ड द्वारा सम्बद्धता प्राप्त किसी भी शिक्षण संस्थान के आधारभूत संरचना के विकास अथवा उसके कार्य प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए अनुदान के भुगतान में ;
- (ज) आधारभूत संरचना के विकास के साथ भूमि एवं भवन के क्रय, भूमि एवं भवन के किराये का भुगतान, सुरक्षा एवं वाहन के किराये का भुगतान, भवन निर्माण, मशीनरी, वाहन, उपस्कर, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर आदि के क्रय हेतु भुगतान में ;
- (झ) छात्रों के बीच पाठ्यक्रम संबंधी एवं पाठ्येतर क्रियाकलापों को प्रोत्साहित एवं सम्प्रवर्तित करने में;
- (ञ) छात्रों शिक्षकों अभिभावकों एवं अन्य ऐसे व्यक्तियों जिन्हें बोर्ड आवश्यक समझे के ज्ञान एवं जागरूकता का सुधार करने में;
- (ट) बोर्ड के कार्य और/अथवा कार्य संस्कृति में सुधार लाने हेतु या बोर्ड के पदाधिकारियों एवं स्टाफ की कार्य क्षमता में सुधार के लिए किसी क्रियाकलाप हेतु भुगतान में ;
- (ठ) किसी मुकदमा या कार्यवाही, जिसमें बोर्ड एक पक्षकार हो के खर्च में , तथा
- (ड) बोर्ड की स्वीकृति से दो करोड़ रुपये तक एवं विभाग की पूर्व स्वीकृति से दो करोड़ रुपये से अधिक तक बोर्ड के प्रयोजनों हेतु बोर्ड द्वारा घोषित बोर्ड के किसी अन्य खर्च जो पूर्ववर्ती खंडों निर्दिष्ट नहीं है, के भुगतान में, परन्तु यह कि खंडों (च) एवं (छ) में निर्दिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किसी रकम की स्वीकृति बोर्ड के अनुमोदन के अधीन होगी।

19. **बोर्ड के लेखाओं का अंकेक्षण**।—बोर्ड के लेखा अंकेक्षणीय होंगे। अंकेक्षण प्रतिवेदन बोर्ड की आगामी बैठक में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

20. बोर्ड के अंग।— बोर्ड के कार्यालय में मुख्यतः तीन अंग होंगे यथा — (1) प्रशासनिक (2) शैक्षणिक एवं (3) परीक्षा संबंधी, जिसका गठन कार्य एवं दायित्व का निर्धारण बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

21. बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय।— बोर्ड का पटना में मुख्यालय कार्यालय के अतिरिक्त बोर्ड के निर्णयानुसार, अन्य जगहों पर क्षेत्रीय कार्यालय होंगे, जिस पर विभाग की अनुमति अनिवार्य होगी।

22. क्षेत्रीय कार्यालयों के कर्तव्य एवं कार्य।— क्षेत्रीय कार्यालयों के अन्य कर्तव्य एवं कार्य निम्नवत होंगे, यथा—

- (क) मदरसा मौलवी स्तर तक परीक्षाओं संबंधी वृहत त्रुटि सुधार। वृहत त्रुटि सुधार से अभिप्रेत है मौलिक बदलाव संबंधी संशोधन, यथा— जन्म तिथि, लिंग, श्रेणी, नाम आदि।
- (ख) मदरसा मौलवी स्तर तक परीक्षाओं संबंधी लघु त्रुटि सुधार। लघु त्रुटि सुधार से अभिप्रेत है उच्चारण संबंधी त्रुटियों का सुधार।
- (ग) मदरसा मौलवी स्तर तक परीक्षाओं संबंधी द्वितीयक (डुप्लीकेट) प्रमाण पत्र निर्गत करना (यथा— डुप्लीकेट सर्टिफिकेट, इंग्लिश वर्जन सर्टिफिकेट, मार्कशीट, इत्यादि)।
- (घ) मदरसा मौलवी स्तर तक परीक्षाओं संबंधी रिजल्ट का ऑनलाइन सत्यापन।
- (ङ.) बोर्ड के निदेशानुसार, परीक्षाओं से संबंधित विविध प्रकार के कार्य परंतु यह कि क्षेत्रीय कार्यालयों के कर्तव्यों एवं कार्यों को समय-समय पर विभाग की सहमति से बोर्ड द्वारा संशोधित किया जा सकेगा।

23. क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी पदाधिकारी की प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियाँ।—क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी पदाधिकारी की प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियाँ परिशिष्ट-1 के अनुसार होगी।

24. बोर्ड की विनियमावली बनाने की शक्ति।—बोर्ड, विभाग से सहमति प्राप्त कर, निम्नलिखित में से सभी या किसी विषयों का उपबंध करने हेतु विनियमावली बना सकेगी जिसे आधिकारिक गजट में प्रकाशित करेगी तथा जो अधिनियम एवं इसके अधीन बनायी गयी नियमावली से असंगत नहीं हो यथा—

- (क) बोर्ड अपने नियमावली में स्वच्छ प्रशासनिक, शैक्षणिक स्ट्रोनयन एवं परीक्षा आयोजित करने हेतु एक विस्तृत एवं पारदर्शी प्रक्रिया प्रावधानित कर शिक्षा विभाग, बिहार सरकार से अनुमोदन प्राप्त करेगा।
- (ख) बोर्ड की बैठकों में कामकाज के संचालन को विनियमित करनेवाली अनुसरणीय प्रक्रिया ;
- (ग) बोर्ड से सम्बद्ध मदरसों के संचालन हेतु ;
- (घ) बोर्ड द्वारा प्रस्वीकृत मदरसों के शिक्षण स्तर में सुधार हेतु ;
- (ङ.) मदरसों का सम्बद्धीकरण/असम्बद्धीकरण;
- (च) बोर्ड के पदाधिकारी/कर्मियों के पद पर स्थायी/नियमित नियुक्ति हेतु प्रक्रिया एवं रीति का निर्धारण एवं ऐसे पदों हेतु अर्हता आदि का निर्धारण;
- (छ) बोर्ड के पदाधिकारियों/कर्मियों की सेवाशर्तों का निर्धारण; एवं
- (ज) ऐसे कोई विषय, जो इस अधिनियम या इसके अधीन बनायी गयी नियमावली के अनुसार विनियमावली द्वारा उपबंधित किये जाने हैं या किये जा सकते हैं।

25. बोर्ड की आस्तियों एवं दायित्वों का अर्जन।—बोर्ड एवं उसके किसी कार्यालय द्वारा अर्जित सभी आस्तियाँ एवं दायित्व यथा— अचल, चल, भूमि, भवनों, भंडारों, वाहनों, पुस्तकों, नकद, प्रतिभूतियों, विनिवेशों, उपस्करों आदि बोर्ड के नियंत्रणाधीन समझे जायेंगे। इस अधिनियम के प्रभावी होने के पूर्व किये गये सभी एकरारनामे एवं अनुबंध और तदनुसार सृजित दायित्व इस अधिनियम के अधीन समझे जायेंगे।

26. सदभावहीन किया गया अनुबंध।—इस अधिनियम के प्रारम्भ होने के पूर्व किसी व्यक्ति द्वारा बोर्ड के साथ किया गया कोई एकरारनामा या अनुबंध, यदि पाया जाता है कि सदभावपूर्वक नहीं किया गया है तो बोर्ड के हितों के विरुद्ध किया गया ऐसा अनुबंध एवं एकरारनामा रद्द किया जा सकेगा या उस हद तक परिवर्तित किया जा सकेगा।

27. व्याख्या।—इस नियमावली के हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण के प्रावधानों की व्याख्या करने में किसी अस्पष्टता या अंतर के मामले में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो इस अधिनियम की अंग्रेजी संस्करण का प्रावधान मान्य होगा।

28. कठिनाईयों को दूर करने की शक्ति।—राज्य सरकार इस नियामवली के किसी भी प्रावधान को स्पष्ट कर सकेगी तथा इसे लागू करने में उत्पन्न कठिनाईयों का निराकरण अधिसूचना/आदेश द्वारा कर सकेगी। इस नियमावली के किसी भी प्रावधान में उत्पन्न कठिनाईयों का निराकरण वित्त विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से किया जा सकेगा।

29. निरसन एवं व्यावृत्ति:—(1) इस नियमावली के प्रभावी होने की तिथि से बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड से संबंधित पूर्व की सभी नियमावली, संकल्प, आदेश एवं अनुदेश आदि एतद् द्वारा निरसित किये जाते हैं।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस नियमावली के प्रवृत्त होने के तिथि के पूर्व प्रवृत्त सभी नियमावली, संकल्प, अनुदेश, निर्देश अथवा नियम के अधीन किया गया कुछ भी या की गयी कोई कार्रवाई इस नियमावली के अधीन किया गया या की गई कार्रवाई मानी जायेगी मानो यह उस दिन प्रवृत्त थी जिस दिन वैसी कार्रवाई की गयी थी अथवा वैसा कुछ किया गया था।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
अरशद फिरोज,
उप-सचिव।

परिशिष्ट-1

वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियाँ

1. समिति, अध्यक्ष, सचिव, एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियाँ निम्नवत होगी -

पद का नाम	वित्तीय शक्तियाँ	प्रशासनिक शक्तियाँ	
		छुट्टी	अनुशासनिक मामले
बोर्ड	05 (पाँच) लाख रुपये से ऊपर।	अध्यक्ष द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपीलीय प्राधिकार।
अध्यक्ष	02 (दो) लाख रुपये के ऊपर एवं 05 (पाँच) लाख रुपये तक बोर्ड की वित्तीय समिति के अनुमोदन के पश्चात अध्यक्ष के अनुमोदन से।	बोर्ड के सचिव के अवकाश की स्वीकृति का प्राधिकार	कार्यालय परिचारी स्तर से ऊपर के सभी बोर्ड के कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों का नियुक्ति एवं अनुशासनिक प्राधिकार।
सचिव	(1) 50 (पचास) हजार रुपये तक स्वतंत्र रूप से। (2) 50 (पचास) रुपये से 02 (दो) लाख रुपये तक बोर्ड के अध्यक्ष के अनुमोदन के उपरांत।	बोर्ड के सभी पदाधिकारियों एवं स्टाफ की सभी प्रकार की छुट्टियों (आकस्मिक/प्रतिबंधित/क्षतिपूर्ति अवकाश को छोड़कर) का स्वीकृति प्राधिकार।	(1) कार्यालय परिचारी स्तर के कर्मियों का नियुक्ति प्राधिकार। (2) नियमों के अनुसार प्रशाखा पदाधिकारी स्तर तक के कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों को निलंबित करना तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा करना।
क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी	स्थापना को छोड़कर 03 (तीन) लाख रुपये तक एक वित्तीय वर्ष में। इससे अधिक व्यय पर सचिव का अनुमोदन आवश्यक होगा।	क्षेत्रीय कार्यालयों में पदस्थापित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आकस्मिक/प्रतिबंधित/क्षतिपूर्ति अवकाश का स्वीकृति प्राधिकार।
❖ बोर्ड के सदस्यों की बैठक के लिए कोरम अपनी सम्पूर्ण बल का एक तिहाई होगा और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से सदस्यों की भागीदारी को भी इस उपधारा के तहत कोरम के उद्देश्यों के लिए गिना जाएगा।			

नोट :

1. सभी प्रकार की वित्तीय शक्तियों का प्रयोग बिहार वित्तीय नियमावली के प्रावधानों का पालन करते हुए किया जाएगा।
2. सचिव द्वारा पारित निलंबन आदेश तथा अधिरोपित दंडों को अध्यक्ष द्वारा समीक्षित एवं संशोधित किया जा सकेगा।
3. विभाग, समय-समय पर, उपर्युक्त शक्तियों को पुनर्परिभाषित कर सकेगा, तथा यह परिशिष्ट, समय-समय पर, विभाग द्वारा संशोधित किया जा सकेगा।

अरशद फिरोज,
उप-सचिव।

The 19th April 2022

No- 10/व1-28/2016 न्यू (अंश)/397--In exercise of the powers conferred under Section 26 of Bihar State Madarsa Education Board Act, 1981(Bihar Act No.32, 1982), the Governor of Bihar has been pleased to make the following Rules to regulate the Bihar State Madarsa Education Board as follows:-

1. Short title, extent and commencement.—

- (1) These Rules may be called the Bihar State Madarsa Education Board Rules, 2022.
- (2) It shall extent to the whole State of Bihar.
- (3) It shall come into force from the date of publication in the official Gazette.

2. Definitions –In these Rules, unless there is anything repugnant in the subject or context –

- (i) **‘Government’** means Government of Bihar;
- (ii) **‘Department’** means Education Department;
- (iii) **‘Act’** means Bihar State Madarsa Education Act, 1981;
- (iv) Director (Oriental) means Special Director, Secondary Education incharge Sanskrit and Madarsa.
- (v) **‘Board’** means Bihar State Madarsa Education Board constituted under Section-3 of the Act, 1981;
- (vi) **‘Chairman’** means Chairman of The Bihar State Madarsa Education Board;
- (vii) **‘Secretary’** means Secretary of The Bihar State Madarsa Education Board;
- (viii) **‘Managing Committee’** means Managing Committee of Recognised Non-Government Madarsa (up to Moulvi Standard) constituted under Madarsa Managing Committee Rules, 2022;
- (ix) **‘Affiliated Madarsa’** means Madarsas having received privilege of the Board according to the provisions of this Act and rules and regulations thereto up to Moulvi level.
- (x) **‘Affiliation committee’** means Affiliation Committee constituted by the Board under Section 7 of the Act.
- (xi) Appointing Authority' with respect to all employees appointed by the board above the level of Office Attendant means the Chairman and of the level of Office Attendant employees means the Secretary;
- (xii) **‘Appellate Authority’** with respect to all employees appointed by the board above the level of Office Attendant means the Board and of the level of Office Attendant employees means the Chairman; and
- (xiii) **‘Appendix’** means Appendix appended to these Rules.
- (xiv) **‘Prescribed’** means prescribed by Rules and Regulations made by the Board under the Act;
- (xv) **‘Regulations’** means Regulations made by the Board under the Rule;
- (xvi) **‘Rules’** means Rules made by the Department under the Act;
- (xvii) **‘Madarsa’** means Recognised Non-Government Madarsa (up to Moulvi Standard) from the Education Department, Government of Bihar, Patna;

3. Powers & Functions of the Board.—Subject to the provisions under section 7 of the Act and the direction given by the state government from time to time, the rules for powers and function of the Board are as follows:

- (1) The Board shall make arrangements for the conduct of different examinations held under this Act.
- (2) The Board-
 - (a) shall conduct Examinations of students duly registered with Madarsas affiliated with the Board;
 - (b) shall conduct such other examinations as directed by the Department or as decided by the Board from time to time ;
 - (c) shall publish results and award certificates, diplomas, prizes and scholarships for the examinations conducted by the board;
 - (d) shall grant affiliation to Madarsas upto Moulvi standard;
 - (e) shall regulate the Madarsas affiliated with the Board;
 - (f) shall have the power to suspend or cancel affiliation of the Madarsas which have been granted affiliation by the Board;
 - (g) shall determine ways and means for conduct of examinations, publication of results and award of certificates and mark sheet;
 - (h) shall determine conditions for admitting students in affiliated Madarsas of the Board and permitting such students to appear in the examination being conducted by the Board;
 - (i) may debar students/ Madarsas indulging in use of unfair means in the examinations conducted by the Board:
 - (j) shall demand and receive such fees as may be prescribed by the Board;
 - (k) shall encourage and promote curricular and extra-curricular activities.
 - (l) shall try to improve knowledge and awareness among students, teachers, guardians and among such persons as considered necessary by the Board.
 - (m) may render financial assistance to Madarsas for improving their infrastructure and encourage them to perform better.
 - (n) shall evolve improved methods of assessment of the attainments of candidates and carry out experiments in such methods;
 - (o) may arrange inspection of Madarsas;
 - (p) shall conduct and perform such other duties as may be prescribed;
 - (q) may constitute and appoint such committees, for carrying out the functions and duties assigned to it under the Act;
 - (r) shall be able to create all types of posts under its own or regional offices only after the prior approval of the State Government;
 - (s) with prior approval of the State Government, the Board may create such other temporary posts for a maximum period of one year as may be deemed necessary for carrying out its duties and functions assigned to it under the Act and may engage persons against such posts on Adhoc basis for a maximum period of one year; and
 - (t) shall have the power to take online admission in the Madarsas upto Moulvi Standard (+2) under its jurisdiction.
- (3) The Board shall have such financial and administrative powers as are enumerated in Appendix-1.

4. Officers of the Board.— The following shall be the officers of the Board, namely-

- (i) Chairman,
- (ii) Secretary,
- (iii) Finance Officer,

- (iv) Controller of Examination,
- (v) Deputy Controller of Examination,
- (vi) Accounts Officer,
- (vii) Assistant Secretary
- (viii) The Board may make changes to the above list from time to time after taking approval from the Education Department, Govt. of Bihar, Patna.
- (ix) Such other officers as may be prescribed by Rules made under the Act or as may be decided by the Board, with the consent of Education Department from time to time.

5. Appointment of Chairman.—

- (1) Subject to the provision of this Act, the Chairman shall be appointed by the State Government for a term not exceeding three years from the date he assumes office and on the expiry of the said term, he shall be eligible to be re-appointed for a period not exceeding three years, but shall not be eligible for appointment for more than two terms. The Chairman shall superannuate after completion of three years or Seventy years, whichever is earlier.
- (2) No person shall be eligible for appointment as Chairman unless he holds adequate experience under the Central or State Government or unless he has teaching or research experience for not less than ten years in any educational institution imparting education upto Post-Graduate standard, or is reputed scholar in Arabic, Persian or Islamic studies and is interested in Madarsa Education.

6. Removal of the Chairman.—

- (1) If at any time, and after such enquiry as may be considered necessary, it appears to the State Government that the Chairman:-
 - (a) has failed to discharge his duties under this Act, or
 - (b) has acted in a manner prejudicial to the interest of the Board, or
 - (c) is guilty of misconduct,
 The State Government may, notwithstanding the fact that the term of office of the Chairman has not expired, remove the Chairman from his post by giving notice of one month or pay in lieu thereof from the date specified in the notification.
- (2) On and from the date specified in the order passed under the provisions of sub-section (1), it shall be deemed that the Chairman has resigned his post and the office of the Chairman shall be deemed vacant.

7. Arrangement of work during absence of the Chairman.—During the temporary absence of the Chairman by reason of leave, illness or any other cause, it shall be lawful for the Director of Education (Incharge of Oriental Education) to exercise the powers and perform the duties of Chairman.

8. Powers and duties of Chairman.—Subject to the provisions under Section 13 of the Act and the direction given by the State Government from time to time, the powers and function of the Chairman are as follows:

- (1) It shall be mandatory upon the Chairman to convene the meetings of the Board at least once in three months and shall preside over the meetings of the Board.
- (2) In any emergency arising out of the administrative business of the Board, which, in the opinion of the Chairman, requires that immediate action should be taken, the Chairman shall take such action as he deems necessary, and

shall thereafter report the action taken by him to the Board at its next meeting.

- (3) He shall be the appointing and disciplinary authority of all employees above the level of Office Attendant (Except the officer of B.E.S. and other officer appointed by the State Govt.);
- (4) The financial and administrative powers of the Chairman shall be such as enumerated in Appendix-1.
- (5) The Chairman shall also discharge such other duties and functions, as directed by the Government from time to time.
- (6) All the financial powers shall be exercised following the Bihar Financial Rules.

9. Appointment of Secretary and his removal.—

- (1) The Government shall appoint Secretary of the Board with such terms and conditions and for such period as may be prescribed by the Government.
- (2) A person to be appointed to the post of Secretary shall be an officer of the level of gazetted rank of Bihar Education Service.
- (3) The Government may, by notification, remove the Secretary, at any time.

10. Powers and duties of Secretary.—

- (1) The Secretary shall, subject to the control of the Board, be the Chief Administrative Officer of the Board. He shall also be responsible for the presentation of the annual estimates and statement of accounts.
- (2) The Secretary shall be responsible for ensuring that all moneys are expended for the purpose for which they are granted or allotted.
- (3) The Secretary shall be responsible for keeping the minutes of the Board meeting.
- (4) The Secretary shall be the appointing and disciplinary authority of the level of employees of Office Attendant.
- (5) The financial and administrative powers of the Secretary shall be such as enumerated in Appendix-1.
- (6) The Secretary shall exercise all the financial powers abiding the provisions of Bihar Financial Rules.
- (7) The Secretary shall exercise such other powers as may be prescribed by the Rules and Regulations, framed under the Act.

11. Power & functions of Controllers of Examinations of the Board.— The Controllers of Examinations shall have following powers and functions namely-

- (a) To consider, moderate, determine and publish the results of the examinations;
- (b) To admit candidates to the concerned examinations and disqualify any candidates from appearing in such examinations for any reason which in his opinion is prejudicial to the examination system and the provisions of the Act;
- (c) To fix examination centers and evaluation centers;
- (d) To prepare lists of persons suitable for appointment as paper-setters, moderators, examiners, tabulators, supervisions and invigilators for examinations and make appointments as such;
- (e) Conduct of examination, Publication of Press Communiques, Preparation and publication of result.
- (f) Matters related to scrutiny and correction/publication of pending result.
- (g) Such other functions as decided by the Board from time to time.

12. Power to grant and withdraw affiliation.—

- (1) The Board shall have the power to grant affiliation / recognition of the Madarsa under the section 7 (2) (a) of the Act and it shall have power to make regulations in this regard with the approval of the Department;
- (2) The Board shall have the power to withdraw/cancel/suspend affiliation / recognition of the Madarsa under section 7 (2) (b) if in the opinion of the Board, the affiliated Madarsa has failed to maintain the requisite standards for grant of affiliation or have in any manner acted in the detriment or prejudicial to the interest of the students, Board or the education system in general. Provided also that before withdrawing/cancelling affiliation, the Board shall give to the Madarsa concerned a reasonable opportunity of being heard, and the students admitted into such Madarsas shall be allowed to complete their academic sessions and appear at the next examination conducted by the Board.
- (3) When affiliation of Madarsas which have been granted affiliation under section 7 (2) (a) or deemed to have been affiliated with the Board, is liable to be cancelled, pending final decision regarding withdrawn/cancellation of affiliation, the affiliation, may, at the discretion of the Board, be suspended after recording reasons for the same. No prior show cause notice shall be required to be served upon such Madarsas before suspending affiliation.

13. Recognition of Madarsas and Staffing Pattern.—Terms and condition for recognition of Madarsas and Staffing pattern shall be governed under Resolution No-1090 dated 29.11.1980 issued by the Education Department, Government of Bihar, Patna.**14. Process to bring Madarsa under the category of Grants-in-Aid.—**The Bihar State Madarsa Education Board shall get the inspection of such Madarsas by the concerned District Education Officer which fulfils the terms and conditions laid down under Departmental Resolution No-1090 dated 29.11.1980 and registered by the Bihar State Madarsa Education Board. The Bihar State Madarsa Education Board after receipt of enquiry report from the District Education Officer concerned shall make intensive scrutiny of all the relevant documents including enquiry report and thereafter the Board shall transmit the folder along with relevant enclosures to the Department of such Madarsas which fulfils the requisite criteria with a recommendation to bring Madarsas in the category of Grants-in-Aid. The Bihar State Madarsa Education Board shall made recommendation to the Department to bring such Madarsas in the category of Grants-in-Aid which fulfils the requisite criteria under Departmental resolution No-1090 dated 29.11.1980.**15. Appointment against Class-3 Post in Bihar State Madarsa Education Board.—**The Bihar State Madarsa Education Board after taking prior approval from the Administrative Department i.e. Education Department, Government of Bihar may make appointment against Clause-3 Post against Sanctioned/Created post by the State Government after following all the procedures of appointment, qualification, requisite criteria as per Rules/Circulars/instructions issued by General Administration Department, Government of Bihar. If so needed, the Madarsa Board may request the Bihar State staff Selection Commission to provide assistance for making appointment against Class-3 Post. The Madarsa Board shall prepare regulation pertaining to service condition of its employee and to operative the normal functioning of the offices of the Board shall be obliged to obtain approval from the Education Department, Government of Bihar.

- 16. Appointment against Class-4 Post in Bihar State Madarsa Education Board.**—The Madarsa Board after taking prior approval from the Education Department, Government of Bihar may make appointment against Class-4 Post against Sanctioned/created Post by the State Government through outsourcing after following the requisite procedure, for selection, qualification etc. as per Rules/Circulars and instructions issued by the General Administration Department, Government of Bihar from time to time.
- 17. Fund of Board. –**
- (1) There shall be established a fund for the Board which shall be vested in the Board for the purposes of this Act, subject to the provisions contained therein, to be called the Fund of Board.
 - (2) Following shall be credited in the fund of the Board: –
 - (a) all sums allotted to the Board from the Consolidated Fund of the State of Bihar by the Government and all sums borrowed by the Board for the purposes of carrying out the provisions of the Act and the Rules and Regulations made thereunder;
 - (b) all money received by or on behalf of the Board including all fees payable and levied under any provisions of the Act and the Rules and the Regulations made thereunder; and
 - (c) all other sums received by the Board, not included in the preceding clauses.
 - (4) The sums received on account of Fund of Board shall be kept in any scheduled commercial bank/banks (approved by the Reserve Bank of India) and shall be credited to account to be called the Account of the Bihar State Madarsa Education Board.
- 18. Application of the fund of the Board.**—Fund of Board shall be applicable to the following objects: -
- (a) to the repayment of debts incurred by the Board for the purpose of the Act and the Rules and Regulations made thereunder;
 - (b) to the payment of the salaries and allowances of the officers and staff of the Board;
 - (c) to the payment of the travelling and other allowances of the members of the Board and the various Committees constituted under the Act, Rules and Regulations framed thereunder;
 - (d) to the payment of the expenses incurred in conducting the examinations and performing the functions entrusted to the Board under the Act and the Rules and Regulations made thereunder;
 - (e) to the payment of the cost of audit of the Fund of Board;
 - (f) to the payment of grant-in-aid for distribution among Madarsas as subsidies with a view to enable such Madarsas to introduce revised courses of studies and to make other improvements;
 - (g) to payment of grants to any Madarsa affiliated with the Board for improving its infrastructure or to encourage it to perform better.
 - (h) to the payment for creation of infrastructure including purchase of land and building; construction of building; payment of rent for land and building; payment for security and rent for hiring vehicle; purchase of machinery, vehicle, equipment, software and hardware etc;
 - (i) to the payment for encouragement and promotion of curricular and extracurricular activities among students;

- (j) to the payment for improvement of knowledge and awareness among students, teachers, guardians and among such persons as considered necessary by the Board;
 - (k) to payment for any activity for improving the functioning and/or work culture of the Board, or to improve efficiency of the officers and staffs of the Board;
 - (l) to the expenses of any suit or proceedings to which the Board is a party;
 - (m) to the payment of any other expenses up to rupees two crore, not specified in any of the preceding clauses, declared by the Board, with the approval of Board and above rupees two crore with the prior approval of the Department, to be the expenses for the purposes of the Board; and Provided that the grant of any sum for application to the objects specified in clauses (f) and (g) shall be subject to the approval of the Board.
- 19. *Audit of accounts of the Board.***—The accounts of the Board shall be subject to audit. It is mandatory upon the Board to place the audit report in the forthcoming Board's meeting.
- 20. *Wings of the Board.***—There would be mainly three wings of the Board: i.e (1) Administrative (2) Academic and (3) Examination matter, the constitution, function and liability whereof shall be determined by the Board.
- 21. *Regional Offices of the Board.***—In addition to the headquarter of Board at Patna, there shall be regional offices of the Board at different places as per decision of the Board on which permission of the department will be mandatory.
- 22. *Functions & Duties of the Regional Offices.***— The following shall be the functions and duties of the regional offices, namely –
- (a) Major corrections in Madarsa Examinations upto Moulvi standard. Major corrections are defined as corrections leading to fundamental change, Viz. Date of Birth, Gender, Category, Name, etc
 - (b) Minor corrections pertaining to Madarsa Examinations upto Moulvi standard. Minor corrections are defined as corrections pertaining to spelling related errors.
 - (c) Issuance of duplicate certificates (viz. Duplicate certificate, English version certificate, Mark sheet etc.) pertaining to Madarsa Examinations upto Moulvi standard.
 - (d) Online verification of results pertaining to Madarsa Examinations upto Moulvi standard
 - (e) Any other work related to examinations or any other matter as directed by the Board.
- Provided that the functions and duties of the Regional offices may be amended by the Board, with the consent of the department from time to time.
- 23. *Administrative and financial powers of In-charge officer of the regional offices.***— The administrative and financial powers of the In-charge officer of regional office shall be as per Appendix-1.
- 24. *Power of Board to make regulations.***—The Board may, by notification in the official gazette and subject to confirmation by the Department, make Regulations not inconsistent with the Act and the Rules made there under to provide for all or any of the following matters, namely: -
- (a) the Board shall make provision in its Regulation for an elaborate and transparent procedure for clean Administration Academic upliftment and to conduct of examination upon which the approval of Education Department, Government of Bihar shall be obtained.

- (b) the procedure to be followed in regulating the conduct of business at meetings of the Board;
 - (c) for regulating the Madarsas affiliated with the Board ;
 - (d) for improvement of teaching standards for imparting education in the Madarsas affiliated with the Board;
 - (e) the affiliation/de-affiliation of Madarsas;
 - (f) prescribing the mode and manner of permanent/regular appointment of officers and employees of the Board and qualifications for such posts;
 - (g) the service conditions of the Officers and employees of the Board; and
 - (h) any such matter which by the Act or the Rules made thereunder are to be or may be provided by Regulations.
- 25. Acquisition of assets and liabilities of the Board.**—All assets and liabilities of the Board acquired in any of its offices such as immovable, movable, land, buildings, stores, vehicles, books, cash, securities, investments, furniture and other shall be deemed to be under control of the Board. All such agreements and contracts done before commencement of these Rules and liabilities so created shall be deemed to be under these Rules.
- 26. Contract done not in good faith.**—Before commencement of these Rules, any agreement or contract done by any person with the Board, if found to be have been executed not in good faith, the contract or agreement so executed against the interest of the Board may be cancelled or amended to that extent, without any liability on the Board.
- 27. Interpretation.**—In case of any ambiguity or difference in interpreting the provisions of the English and the Hindi version of these Rules, the provision of the English version of these Rules shall be applicable.
- 28. Power to remove difficulties.**—The State Govt. will have jurisdiction to clarify the provisions of this Rules in order to remove the difficulties in implementing the provisions of the Rules by issuing necessary Notification/Order. In case of any anomaly erupted in any provisions of the Rules the same would be rectified after obtaining concurrence from the Finance Department as well as General Administration Department.
- 29. Repeal and Savings : -**
- (1) From the date of commencement of these Rules, all previous Rules, Resolutions, Orders, and Instructions etc. relating to conduct of the Bihar State Madarsa Education Board are hereby repealed.
 - (2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the previous Rules, Resolutions, Orders, Instructions prior to commencement of these rules shall be deemed to be done or taken under these rules as if these Rules were in force on that day on which such thing was done or such action was taken.

By the Order of the Governor of Bihar,
Arshad Firoj,
Deputy Secretary.

APPENDIX-1

FINANCIAL AND ADMINISTRATIVE POWERS

(1) The financial and administrative powers of the Board, Chairman, Secretary, and In-charge of Regional offices shall be as follows –

Name of Authority	Financial Powers	Administrative Powers	
		Leave	Disciplinary matters
Board	Above Rs. 05 (Five) lakh	Shall be the appellate authority against the order passed by the Chairman
Chairman	Above Rs. 02 (Two) lakh and up to Rs. 05 (Five) lakh with the approval of the Chairman after the approval of the Board's Financial Committee.	Sanctioning Authority of grant of leave to the Secretary of the Board.	Shall be the appointing and disciplinary authority of all Board employees above the level of Office Attendant
Secretary	(i) Upto Rs. 50 (Fifty) Thousand independently (ii) More than Rs. 50 (Fifty) Thousand to Rs. 02 (Two) lakh with the permission of the Chairman of the Board excluding establishment expenditure.	Sanctioning Authority of Leave of all Officers and staff.	(i) Shall be the appointing and disciplinary authority of the level of employees of Office Attendant. (ii) Suspension of officers and staff up to level of Section Officer, as per Rules and recommending departmental proceedings against such officers and employees.
In charge of Regional offices	In one financial year upto Rs. 02 (Two) Lakh. And more than Rs. 02 (Two) Lakh approval of the Secretary of the Board shall be necessary.	Sanction of casual leaves of officers and staff posted in the regional offices.
* The quorum for a meeting of the members of the Board shall be one third of its total strength and the participation of the members by video conferencing or by other audio visual means shall also be counted for the purposes of quorum under this sub-section.			

Note :-

- (1) All types of financial power shall be exercised by following the provisions of Bihar Financial Rules.
- (2) The order of suspension and/or imposition of penalties passed by the Secretary may be reviewed and modified by the Chairman.
- (3) The Department may redefine the aforesaid powers, from time to time, and therefore this Appendix may be modified by the Department, from time to time.

Arshad Firoj,
Deputy Secretary.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 244-571+100-डी0टी0पी0

Website: <http://egazette.bih.nic.in>